कृष्ण नंदनी गौशाला के उद्घाटन के अवसर पर भाषण

आज विजयादशमी के शुभ अवसर पर अपने नगर कोटा में आप सभी गौ सेवकों के बीच उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। आप सभी महानुभावों को विजयादशमी - दशहरा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि भगवान श्री राम और माँ दुर्गा आपका एवं आपके प्रियजनों का कल्याण करें, आपके सभी कार्य सिद्ध करें।

आज एक बहुत शुभ अवसर है जब दशहरा के पावन पर्व के दिन गौमाता की सेवा एवं उनकी देखभाल के लिए समर्पित सेवकों द्वारा बनाई गई गौशाला **'कृष्ण नंदनी गौशाला'** का आरम्भ हो रहा है। कोटा नगर वैसे भी अपनी सेवा और सत्कार के लिए जाना जाता है। इसलिए यहाँ इस प्रकार के सेवा स्थल का निर्माण स्वाभाविक ही है।

साथियों,

गौमाता हमारे सांस्कृतिक जीवन का, हमारे आध्यात्मिक जीवन का केंद्र रही है। हम इनके बिना भारतीय संस्कृति की कल्पना भी नहीं कर सकते। गौ वंश का हमारे लिए क्या महत्व है, इसका अंदाज़ा इसी से लगा सकते हैं कि हमारे ऋषियों ने, मनीषियों ने इन्हें माता का दर्जा दिया है। हमारा कोई भी धार्मिक अनुष्ठान गौ के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। गौमाता भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

आज सम्पूर्ण विश्व में sustainable development की बात हो रही है। पूरा विश्व इस बात को मान गया है कि मानव जाति आगे तभी बढ़ सकती है, जब हमारी विकास प्रक्रिया में प्रकृति को साथ लेकर चला जाए। हमारे सतत विकास के लिए Bio Diversity को बनाए रखना, उसे और समृद्ध बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

परंतु हमारी संस्कृति में प्रकृति के महत्व को हज़ारों वर्ष पूर्व ही मान लिया गया था। यही कारण है कि हमारी जीवन पद्धति प्रकृति के साथ harmony में है।

ग्रामीण इलाक़ों में आज भी गौ माता हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। हमारे शास्त्रों में गौमाता का **'कामधेनु'** के रूप में उल्लेख किया गया है। भगवान श्रीकृष्ण का गायों के प्रति प्रेम सर्व विदित है।

गाएँ हमारी सभी इच्छाओं और आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाली हैं। आज भी हमारे rural areas में समृद्धि को गायों की संख्या के अनुसार देखा जाता है। वे मात्र पोषण का स्रोत नहीं होतीं बल्कि ईंधन, कृषि, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य का भी स्रोत होती हैं। उनसे मिलने वाला प्रत्येक पदार्थ हमारे लिए उपयोगी है।

आज से हज़ारों वर्ष पहले महान विद्वान पाणिनी ने कहा था कि हमारा देश इसलिए समृद्ध है क्योंकि यहाँ गाएँ अधिक हैं।

गौ के राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान में भी गौ वंश के संरक्षण और संवर्धन का प्रावधान किया गया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का मानना था कि उनके लिए ऐसे स्वराज का कोई अर्थ नहीं जहां गायों को किसी प्रकार की हानि पहुँचायी जाए।

बापू गौमाता को प्रकृति की अनुपम देन मानते थे। उनके लिए गाय हमारी सृष्टि का सबसे पवित्र जीव है। वे मानते थे कि गौ के रूप में हमारे धर्म ने विश्व को एक अद्भुत उपहार दिया है। मानव जीवन के संरक्षण और संवर्धन के लिए गौ माता का संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है।

आप सभी मित्रों का हार्दिक अभिनंदन है कि आपने कोटा में गौसेवा के उद्देश्य से कृष्ण नंदनी गौशाला आरम्भ करने का कार्य किया है। इस गोशाला के समुचित प्रबंधन के लिए सभी निवासियों को सामूहिक रूप से काम करना होगा। आपको मुझसे कोई भी सहयोग चाहिए, उसके लिए मैं सदैव तत्पर हूँ।

मुझे विश्वास है कि इस गौशाला के माध्यम से हमारे नगर में गौ माता की सेवा के पुनीत कार्य में अधिक से अधिक लोग जुड़ेंगे।

साथियो, गौ, गंगा और गायत्री मंत्र हमारी सभ्यता के मूलाधार हैं, ये हमारी राष्ट्रीय पहचान हैं। इन पर ही हमारा अस्तित्व निर्भर करता है। इन सभी की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का प्रथम कर्त्तव्य है। इस पुनीत कार्य को आरम्भ करने के लिए आप सभी का पुनः धन्यवाद।